UNIT - II SEMESTER - 2 Page (1) - (13)

classmate Date 30/04/20

II कक्षा मे जाने से पूर्व अध्यापक की तैयारी

Preparation before going into the class

BY - Dr Shyam Bihari Chau...

पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों एवं उसके विविध प्रकरणों मे मुख्यरूप से विभिन्न संप्रत्ययों (Concepts), तथ्यों (facts), विवेचना (Discussion), सूत्रों (Formula), परिकल्पनाओं (Hypotheses), साध्यों (theorems), नियमों (Laws), सिद्धान्तों (thesis), और सम्बन्धों (Relation) पर आधारित विषय वस्तु (Content) को सम्मिलित किया जाता है। ऐसी स्थिति मे अध्यापकों का कार्य अत्यन्त कठिन हो जाता है तथा किसी प्रकरण को पढाने से पूर्व विषयवस्तु के प्रस्तुतीकरण के लिए उन्हे पर्याप्त सोच विचार करने की जरूरत होती है। अत: अध्यापक के लिए आवश्यक हो जाता है कि पाठ्यप्रकरण पढाने से पूर्व कुछ समय उस पाठ की अच्छी प्रकार से तैयारी कर ले, जिससे वह कुशलता, आत्मविश्वास तथा प्रभावी ढंग से शिक्षण कर सके। यदि अध्यापक अपने पाठ की अच्छे ढंग से तैयारी करके कक्षा मे पढाता है तो उसका लाभ छात्रों को सकारात्मक रूप से मिलता है। इसलिए अध्यापक को कक्षा मे शिक्षण हेतु जाने से पूर्व अपने पाठ की अच्छी ढंग से तैयारी कर लेनी चाहिए। इसके लिए उसे निम्न बातों को ध्यान मे रखना चाहिए।

(i) छात्रों का पूर्वज्ञान एवं अनुभव (Previous Knowledge and experiences of the students) - अध्यापक को जिस कक्षा में कोई पाठ या प्रकरण पढाना है उसके छात्रों के पूर्व ज्ञान तथा सम्बन्धित पाठ से जुड़े अनुभवों की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। वस्तुत: छात्रों के पूर्व ज्ञान एवं अनुभवों को ध्यान मे रखकर ही अध्यापक किसी पाठ का शिक्षण प्रारम्भ करता है। नि:संदेह किसी पाठ को आगे बढाने के लिए तालमेल बैठाने की जरूरत पड़ती है। अत: जब तक अध्यापक बालकों के पूर्व ज्ञान तथा अनुभवों को ध्यान मे नही रखेगा तब तक वह छात्रों का अधिगम अधिक प्रभावशाली नही बना सकता है। यदि अध्यापक पूर्वज्ञान व अधिगम अनुभवों को पूर्व मे सुनिश्चित कर लेता है तो नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए छात्रों की मानसिक तैयारी हो सकती है तथा अध्ययन के लिए कक्षा मे अनुकूल वातावरण का सृजन भी हो सकता है।

Scanned with CamScanner